यूपीएससी–सिविल सेवा

29 वर्ष

हल प्रश्न पत्र

सामान्य अध्ययन

प्रारंभिक परीक्षा

निःशुल्क सामग्री के लिए नीचे दिये गये QR Code को Scan करें, इसके पश्चात् chroniclein-dia.in पर अपना रजिस्ट्रेशन करें; अगर पहले से ही रजिस्टर्ड हैं तो दोबारा जरूरत नहीं

अध्ययन सामग्री के लिए नीचे दिए गए Coupon को Scratch कर अपना Coupon Code प्राप्त करें।

संपादकः एन. एन. ओझा
(सिविल सेवा परीक्षाओं के मार्गदर्शन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव)
उत्तर प्रस्तुतिः क्रॉनिकल संपादकीय समूह

CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

यूपीएससी-सिविल सेवा
29 वर्ष हल प्रश्न पत्र

सामान्य अध्ययन

प्रारंभिक परीक्षा

बुक कोडः 389

संस्करण - 2022

मूल्यः ₹ 325/-

ISBN : 978-81-955729-5-3

प्रकाशक

क्रॉनिकल पब्लिकेशंस प्रा. लि.

कॉरपोरेट ऑफिसः
ए-27डी, सेक्टर-16, नोएडा-201301,
फोन नं: 0120-2514610-12,
E-mail : info@chronicleindia.in

संपर्क सूत्रः
संपादकीय : 9582948817, editor@chronicleindia.in
ऑनलाइन सेल सहयोगः 9582219047, onlinesale@chronicleindia.in
तकनीकी सहयोग : 9953007634, Email Id: it@chronicleindia.in
विज्ञापन : 9953007627, advt@chronicleindia.in
सदस्यता : 9953007629, Subscription@chronicleindia.in
प्रिंट संस्करण सेल : 9953007630, circulation@chronicleindia.in

सर्वाधिकार सुरक्षित © क्रॉनिकल पब्लिकेशंस प्रा. लि.: इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से- इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी और ढंग से, प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

पुस्तक में प्रकाशित सामग्री उपरोक्त विषय पर प्रकाशित पुस्तकों/जर्नल/रिपोर्ट/ऑनलाइन कंटेंट आदि से संकलित है। लेखक/संकलनकर्ता/प्रकाशक, प्रकाशित सामग्री की मूल लेखन का दावा नहीं करता। प्रकाशित सामग्री को पूर्णतः त्रुटि रहित बनाने का प्रयास किया गया है, फिर भी किसी भी प्रकार के त्रुटि के लिए क्षतिपूर्ति का दावा प्रकाशक/लेखक द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा। शंका की स्थिति में पाठक स्वयं भारत सरकार के दस्तावेज व अन्य स्त्रोतों के माध्यम से जांच कर सकते हैं सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।, **पंजीकृत कार्यालयः** एच-31, जी.पी. एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110016, **मुद्रकः** एस. के. इन्टरप्राइजेज, नई दिल्ली-110041

अनुक्रमणिका

- यूपीएससी-सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2021

सामान्य अध्ययन ..... VII-XL

भारत का इतिहास, राष्ट्रीय आंदोलन और कला एवं संस्कृति

प्राचीन भारत 1–25

- सिंधु घाटी सभ्यता 1
- वैदिक काल 1
- जैन धर्म 2
- बौद्ध धर्म 3
- महाजनपद काल 5
- मौर्य काल 5
- मर्योतर काल 6
- गुप्त एवं गुप्तोतर काल 7
- प्राचीन भारत की कला एवं संस्कृति 8
- सूफी एवं भक्ति आंदोलन 10
- दक्षिण भारत का इतिहास 11
- प्रारंभिक मध्यकालीन भारत के प्रमुख राजवंश 12
- उत्तर व्याख्या सहित 13

मध्यकालीन भारत 26–39

- भारत पर विदेशी आक्रमण 26
- दिल्ली सल्तनत 26
- विजयनगर साम्राज्य 27
- मुगल साम्राज्य 27
- मराठा साम्राज्य 31
- इतिहासकारों एवं विदेशी यात्रियों का विवरण 31
- मध्यकालीन भारत की कला एवं संस्कृति 32
- उत्तर व्याख्या सहित 33

आधुनिक भारत 40–86

- यूरोपीय कंपनियों का आगमन 40
- ब्रिटिशकालीन अर्थव्यवस्था 41
- भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की संवैधानिक संरचना 42
- 1857 का विद्रोह 45
- किसान एवं आदिवासी विद्रोह 45
- भारत में धार्मिक एवं सामाजिक पुनर्जागरण 46
- भारत में राष्ट्रवाद 46
- भारत में स्वतंत्रता आंदोलन 48
- गांधी युग 58
- अंतरिम सरकार का गठन 61
- उत्तर व्याख्या सहित 62

भारत एवं विश्व भूगोल

- भारत की भौगोलिक स्थिति 87
- भारत के भू-आकृतिक प्रदेश 89
- भारत का अपवाह तंत्र 92
- भारत की जलवायु 94
- भारत की प्राकृतिक वनस्पति 96
- ब्रह्मांड 97
- सौरमंडल 98
- पृथ्वी की गतियाँ 99
- पृथ्वी की उत्पति एवं भूगर्भिक इतिहास 100
- चटाट्ने 100
- भूकंप एवं ज्वालामुखी 100
- मृदा 101
- जलमंडल 102
- जलडमरूमध्य एवं जलसंधियाँ 104
- वायुमंडल 104
- सूर्यताप एवं तापमान 105
- वायुमंडलीय दाब 105
- विश्व के जलवायु प्रदेश 107
- भारतीय कृषि 108

- खनिज संसाधन....112
- भारत के उद्योग....113
- ऊर्जा संसाधन....114
- भारतीय जनसंख्या की संरचना....116
- विश्व में कृषि एवं फसल उत्पाद....116
- विश्व की नदियाँ/महासागर/मरुस्थल/बंदरगाह....116
- भारत एवं विश्व के प्रमुख शहर/देश/महानगर....118
- भारत एवं विश्व के प्रमुख पहाड़/पठार....121
- विश्व खनिज उत्पाद एवं उद्योग....121
- भारत एवं विश्व की जनसंख्या और जनजातियाँ....122
- विश्व परिवहन....124
- उत्तर व्याख्या सहित....125

भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन

- भारत का संवैधानिक विकास....157
- संविधान का निर्माण....157
- भारतीय संविधान के स्रोत....159
- संघ एवं राज्य क्षेत्र....159
- नागरिकता....159
- मौलिक अधिकार....160
- राज्य के नीति निदेशक तत्व....161
- मूल कर्तव्य....163
- केंद्र राज्य संबंध....163
- राष्ट्रपति....164
- उपराष्ट्रपति....165
- प्रधानमंत्री....165
- केन्द्रीय मंत्री परिषद्....165
- संसद....167
- न्यायपालिका....173
- राज्यपाल....176
- राज्य विधानमंडल....177
- राजभाषा....177
- पंचायतीराज....177
- संवैधानिक एवं गैर संवैधानिक निकाय....179
- कुछ वर्गों के लिए विशेष उपबंध....182
- संविधान की अनुसूचियां....182
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद....183
- संविधान संशोधन....184
- उत्तर व्याख्या सहित....186

आर्थिक एवं सामाजिक विकास

- परिचय एवं अवधारणा....218
- आर्थिक विकास....219
- आर्थिक नियोजन....220
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र....221
- उद्योग....224
- सेवा क्षेत्र....226
- मुद्रा एवं बैंकिंग....226
- बीमा एवं पूंजी....233
- वित्, राजकोषीय नीति एवं जीएसटी....233
- विदेशी व्यापार एवं भुगतान....238
- मानव एवं सामाजिक आर्थिक विकास....241
- अंतरराष्ट्रीय संस्था एवं व्यापारिक संगठन....243
- उत्तर व्याख्या सहित....244

सामान्य विज्ञान

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी....269
- उत्तर व्याख्या सहित....280
- जीव विज्ञान....292
- उत्तर व्याख्या सहित....308
- भौतिक विज्ञान....322
- उत्तर व्याख्या सहित....331
- रसायन विज्ञान....339
- उत्तर व्याख्या सहित....346

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी....353
- खाद्य शृंखला....356
- जैव विविधता....357
- प्रदूषण....367
- जलवायु परिवर्तन....370
- सतत विकास....372
- उत्तर व्याख्या सहित....373

❖❖❖❖❖❖

पुस्तक के संबंध में

पुस्तक में सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के सामान्य अध्ययन प्रथम प्रश्न-पत्र के विगत 29 वर्षों (1993-2021) के प्रश्नों का विषयवार एवं अध्यायवार हल प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक "TEST TO TEXT" यानी ''पहले हल करें, फिर पढ़ें'' की संकल्पना पर आधारित है।

100+ टॉपिकों में विभाजित इस पुस्तक में सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले विषय- इतिहास, भूगोल, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था एवं सामान्य विज्ञान के प्रश्नों के व्याख्यात्मक हल के साथ-साथ 'अतिरिक्त अध्ययन सामग्री' भी विस्तृत रूप में प्रस्तुत की गई है। पुस्तक में दिया गया हल समग्रता के साथ प्रस्तुत किया गया है, जिससे छात्र आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले ऐसे संभावित प्रश्नों का उत्तर भी दे सकें जो विगत वर्ष में आए प्रश्नों से संबंधित हों।

सर्वप्रथम सिविल सेवा के लिए अनुशंसित पाठ्य-पुस्तकों का विषयवार अध्ययन करें। इसके पश्चात विषयों के प्रत्येक अध्याय से पूछे गए प्रश्नों का शुरुआत से अभ्यास करें, यानी सबसे पहले 1993 के प्रश्नों का अभ्यास करें, तत्पश्चात क्रमशः बढ़ते हुए क्रम में अन्य वर्षों के प्रश्नों का अभ्यास करें, वर्ष 2021 के प्रश्नों को अभ्यास सबसे अंत में करें। ऐसा करने से आप प्रत्येक अध्याय का 'सरल से कठिन' प्रश्नों का अभ्यास कर पाएंगे। साथ ही इस प्रक्रिया से आप सिविल सेवा परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की निरंतर बदलती प्रकृति को भी समझ पाएंगे।

सामान्यतः यूपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा में जिस अध्याय से प्रश्न पूछे गए हैं उसके समक्ष अध्यायों से ही प्रश्न पूछे जाते हैं। इस पुस्तक के अध्ययन के पश्चात आपको प्रश्नों की प्रकृति और पूछे जाने वाले विषयों के संबंध में जानकारी मिलती है, जिससे आप अपनी तैयारी को सही दिशा प्रदान कर सकते हैं तथा इसके अनुरूप अपने अध्ययन की रणनीति बना सकते हैं।

मुफ्त ई-सामग्री (ऑनलाइन) संस्था की वेबसाइट पर उपलब्ध करायी गयी है, जिसमें संघ और राज्य सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित 5000 बहुवैकल्पिक प्रश्न (MCQs) और 10 मॉक टेस्ट पेपर दिया गया है, जिसका लाभ आप तैयारी के दौरान अभ्यास के लिए कर सकते हैं।

आपको इस पुस्तक पर लगे स्क्रैच कूपन कोड के माध्यम से 100 रु. का 'कैश बैक' दिया जा रहा है। यह आपके Chronicleindia.in के 'माई अकाउंट' सेक्शन में जमा किया जायेगा, जिससे आप संस्था द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका सिविल सर्विसेज क्रॉनिकल और टेस्ट सीरीज या अन्य ऑनलाइन अध्ययन सामग्री को खरीद सकते हैं।

पेपर-IV की तैयारी का एक मात्र विश्वसनीय, प्रमाणिक व सभी आईएएस टॉपर्स द्वारा अनुशंसित/अनुमोदित पुस्तक

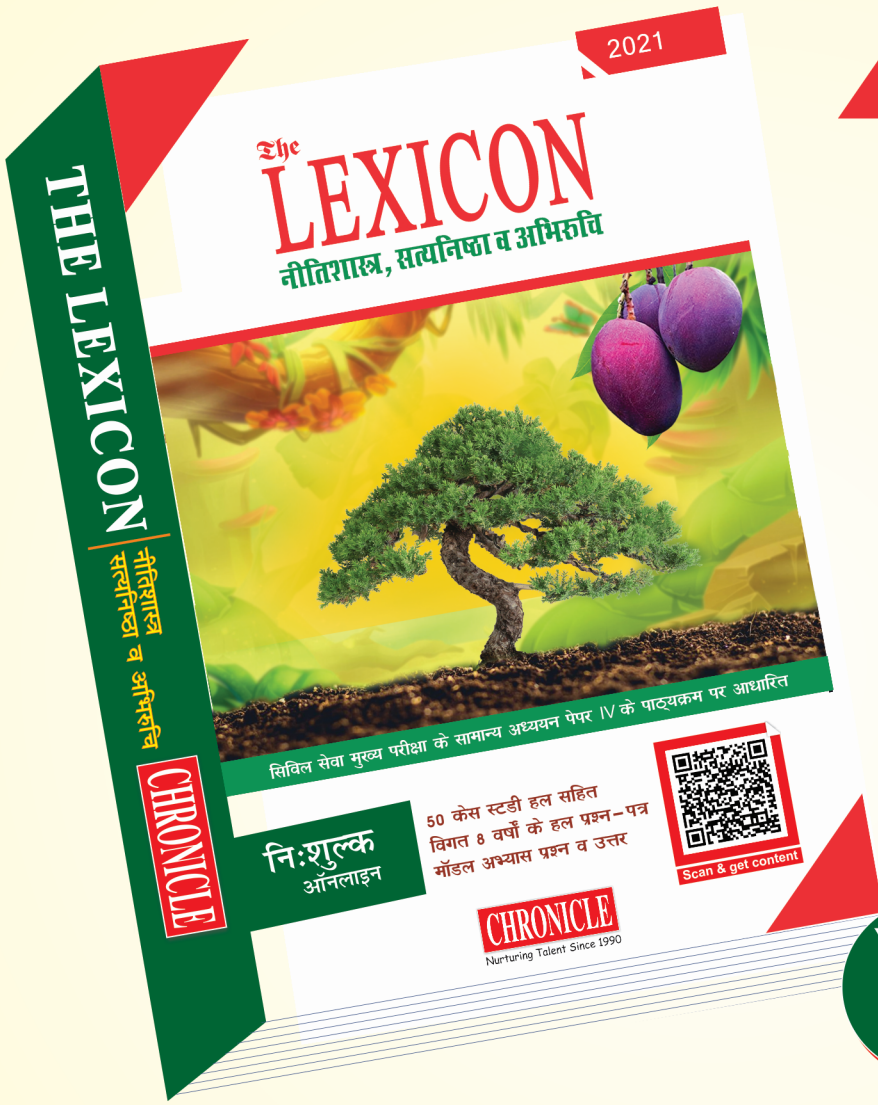

पुस्तक के अध्याय

- ✓ लेक्सिकन ऑफ केस स्टडी
- ✓ नीतिशास्त्र और मानवीय सह-संबंध
- ✓ अभिवृत्ति
- ✓ सिविल सेवा अभिरुचि और बुनियादी मूल्य
- ✓ भावनात्मक समझ
- ✓ भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान
- ✓ लोक प्रशासनों में लोक / सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र
- ✓ अंतरराष्ट्रीय संबंध और नैतिकता
- ✓ शासन व्यवस्था में ईमानदारी
- ✓ प्रशासन में हितों का संघर्ष/टकराव
- ✓ व्यावसायिक नीतिशास्त्र
- ✓ उद्धरण और कथन
- ✓ नैतिक मुद्दे
- ✓ नीतिशास्त्र संबंधित शब्दावली

मूल्य 395

Also Available on
www.chronicleindia.in
amazon

CHRONICLE BOOKS

संपर्क करें

A-27D, Sector-16, Noida, U.P.-201301
Mob.: 9953007630, E-mail: circulation@chronicleindia.in

यूपीएससी-सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2021

सामान्य अध्ययन

भारत का इतिहास, राष्ट्रीय आंदोलन और कला एवं संस्कृति

प्राचीन भारत

सिंधु घाटी सभ्यता

1. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन नगर अपने उन्नत जल संचयन और प्रबंधन प्रणाली के लिए सुप्रसिद्ध है, जहां बांधों की शृंखला का निर्माण किया गया था और संबद्ध जलाशयों में नहर के माध्यम से जल को प्रवाहित किया जाता था?

(a) धौलावीरा
(b) कालीबंगा
(c) राखीगढ़ी
(d) रोपड़

उत्तरः (a), कच्छ के रन में स्थित हड़प्पा सभ्यता के शहर धौलावीरा को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। यह भारत का 40वां स्थल है जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। 1968 में खोजा गया यह क्षेत्र अपनी अद्‌भुत विशेषताओं जैसे जल निकासी व्यवस्था, बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणाली, निर्माण कार्यों में पत्थरों का बहुतायत से उपयोग और विशेष प्रकार के कब्रिस्तानों आदि की वजह से जाना जाता है।

- गुजरात के धौलावीरा के साथ ही तेलंगाना के रूदेश्वरा/रामल्ला मंदिर को भी यूनेस्को विश्व विरासत समिति के 44वें सत्र में चीन के फुजहोऊ आयोजित सम्मलेन में सूची में शामिल किया गया। इसमें एक ओर मानव सभ्यता की उन्नति और अवनति की संपूर्णता को दर्शाने वाला हड़प्पा सभ्यता का धौलावीरा शहर है वहीं दूसरी ओर काकटीया रूदेश्वर मंदिर काकटीया संस्कृति का नायाब उदाहरण है।
- कालीबंगा राजस्थान के सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रसिद्ध स्थल है। यह अपने मिट्‌टी के बर्तनों और काली चूड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यह एक औद्योगिक स्थल था। यहाँ पहले से जुते हुए खेत, अग्नि वेदिका और एक साथ दफनाए गए युग्मों के साक्ष्य मिले हैं।
- राखीगढ़ी स्थल भारतीय उपमहाद्वीप में हड़प्पा सभ्यता के 5 बड़े स्थलों में से एक है। अन्य चार हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, गंवेरीवाला (वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित) और धौलावीरा (गुजरात) है। एक वृहत क्षेत्र में फैले हुए पांच अंतरसंबंधित टीलों से मिलकर राखीगढ़ी का स्थल बना है। इन पांच में से दो टीलों पर घनी आबादी बसा था। भारतीय पुरातात्विक विभाग के श्री अमरेन्द्र नाथ द्वारा इस स्थल की खोज की गई। छितरैली आबादी वाला यह स्थल सिंधु घाटी सभ्यता के एक वृहत उत्खनन स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। रोपड़ स्वतंत्र भारत का पहला सिंधु घाटी खुदाई स्थल है। रोपड़ में की गई खुदाई से सिंधु घाटी सभ्यता और हड़प्पा संस्कृति की विशेष जानकारी मिलती है।

2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

	(ऐतिहासिक स्थान)		(ख्याति का कारण)
1.	बुर्जहोम	:	शैलकृत देव मंदिर
2.	चंद्रकेतुगढ़	:	टेराकोटा कला
3.	गणेश्वर	:	ताम्र कलाकृतियां

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/कौन-से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) केवल 3
(d) 2 और 3

उत्तरः (*), बुर्जहोमः कश्मीर घाटी के बारामूला और अनन्तनाग के बीच श्रीनगर के करीब कुछ निओलिथिक स्थल है। इनमें बुर्जहोम, गुफ्फकराल और हरीपरीगोम शामिल है। बुर्जहोम के नियोलिथिक स्थलों पर गड्‌ढे पाए गए हैं। बुर्जहोम से मिले वस्तुओं में हाथ से बने लाल भूरे रंग के बर्तन और मानव और कुत्ते को एक साथ दफनाने के साक्ष्य शामिल हैं।

- बुर्जहोम में बेहतरीन यंत्र उद्योग विकसित था, जहां कुछ बेहतरीन नुकीले, हार्पुन और कांटों जैसे औजार मिले हैं। यह स्थल गर्त्तावास और निथोलिथिक औजार उद्योग के लिए मशहूर है। अतः युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
- **चंद्रकेतुगढ़ः** यह पश्चिम बंगाल के गंगा डेल्टा में अवस्थित है। प्रारंभिक ऐतिहासिक काल के चन्द्रकेतुगढ़ विधाधरी नदी द्वारा गंगा नदी से जुड़ा था और व्यापार के साथ-साथ राजनैतिक हलचलों का केंद्र भी रहा होगा। चन्द्रकेतुगढ़ टेराकोटा कला का एक वृहत केंद्र था। विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों वाले वस्तुएं यहां से वर्षों से मिलती आ रही हैं, जिनमें सिक्के, मृदभाण्ड, सील, मुहरे तथा हाथीदांत, लकड़ी और ताम्बे की बनी आकृतियां शामिल हैं। अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।
- **गणेश्वरः** गणेश्वर जोधपुरा संस्कृति राजस्थान के उत्तर-पूर्वी भाग में पाई गई थी। यहां पर पाई गई सैकड़ों ताम्बे की वस्तुओं से यह पता चलता है कि यह क्षेत्र ताम्र कार्य के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा था और यहां के लोग अन्य समुदायों को इन सामानों की आपूर्ति करते थे। अतः युग्म 3 सही सुमेलित है।

मौर्य काल

1. प्राचीन भारत के इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

1. मिताक्षरा ऊंची जाति की सिविल विधि थी और दायभाग निम्न जाति की सिविल विधि थी।
2. मिताक्षरा व्यवस्था में, पुत्र अपने पिता के जीवनकाल में ही संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे, जबकि दायभाग व्यवस्था में पिता की मृत्यु के उपरांत ही पुत्र संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे।
3. मिताक्षरा व्यवस्था किसी परिवार के केवल पुरुष सदस्यों के संपत्ति संबंधी मामलों पर विचार करती है, जबकि दायभाग व्यवस्था किसी परिवार के पुरुष एवं महिला सदस्यों, दोनों के संपत्ति-संबंधी मामलों पर विचार करती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) केवल 3

उत्तर: (b), कथन 1 सही नहीं है: सिविल कानून की ये दोनों प्रणालियां दायभाग और मिताक्षरा केवल उन जातियों से ही संबंधित है। दाय भाग प्रणाली पूर्वी भारत के जबकि मिताक्षरा देश के शेष भागों में पाई जाती है।

- ❖ कथन 2 सही है: दायभाग प्रणाली के अनुसार, जो कि पूर्वी भारत में पाई जाती है, केवल पिता की मृत्यु के उपरान्त ही बेटे उनकी सम्पत्ति पर अपना हक जता सकते हैं, जबकि मिताक्षरा के अनुसार पुत्र पिता के जीवनकाल में ही सम्पत्ति पर अपना हक जता सकते हैं।
- ❖ कथन 3 सही नहीं है: ये दोनों प्रणालियां महिला और पुरुष दोनों के सम्पत्ति अधिकारों से संबंधित है। मिताक्षरा में महिलाओं के सम्पत्ति अधिकारों को काफी हद तक प्रतिबंधित किया गया है। महिलाएं कभी किसी सम्पत्ति को हमवारिस नहीं बन सकती थी। किसी मृत व्यक्ति की विधवा स्त्री संपत्ति को नहीं भोग सकती थी तथा अपने पति की सम्पत्ति का हिस्सा उसके भाई से नहीं ले सकती थी, जबकि दायभाग इस मामले में थोड़ी लचीली प्रणाली है। इसके अन्तर्गत किसी मृत व्यक्ति की विधवा को संपत्ति में अधिकार प्राप्त करने का हक है।

हिन्दू कानून में हमवारिस सम्पत्ति क्या है?

- ❖ एक हिन्दू संयुक्त परिवार में अपने पूर्वज के कुछ नजदीकी वंशज शामिल होते हैं। दूसरे शास्त्रों में एक पुरुष प्रमुख और उसके वंशज जिसमें उसकी पत्नी और अविवाहित पुत्रियां शामिल होती हैं। हमवारिस लोग परिवार की एक छोटी इकाई होते हैं, जिनका सम्पत्ति पर संयुक्त अधिकार होता है।
- ❖ हमवारिस समूह में एक श्रृंखला पाई जाती है, जिसमें शीर्ष पर वंशज और उसके तीन करीबी वंशज पुत्र, पौत्र और प्रपौत्र होते हैं।
- ❖ अधिग्रहण, उपाधि और हितों की एकता की वजह से हमवारिस सम्पत्ति को संयुक्त स्वामित्व का नाम दिया जाता है। हालांकि इसकी अंग्रेजी शब्दावली सामान्य कानून से ली गई है, परंतु इसकी संकल्पना हिन्दू कानून में निहित है। भारत के ज्यादातर हिस्सों में पाई जाने वाली मिताक्षरा प्रणाली के अनुसार किसी पुरुष के उत्तराधिकारी होने के अधिकार जन्मजात होते हैं। अगर यदि किसी नए बालक का जन्म होता है यानि कि पांचवां नजदीकी वंशज जो कि महान प्रपौत्र होता है, उसको सम्पति की वंशावली में तभी शामिल किया जा सकता है जब मुख्य वंशज यानि उसके परदादा की मृत्यु हो जाए। अन्य शब्दों में उत्तराधिकार का अधिकार केवल चार पीढ़ियों तक ही रहता है। माना जाता है कि हिन्दू सिद्धान्तों के आधार पर केवल तीन पीढ़ियों के पुरुष ही पूर्वजों को आध्यात्मिक श्रद्धांजली संबंधी कार्यों का सम्पादन कर सकते हैं और केवल पुरुष ही समान उत्तराधिकारी हो सकते हैं।

परम्परागत स्वरूप क्या था और संहिताबद्ध कानूनों से यह कैसे परिवर्तित हुआ

- ❖ मिताक्षरा कानून के अनुसार किसी शीर्ष उत्तराधिकारी की मृत्यु होने पर उसकी सम्पत्तियों पर उसके वंशजों का अधिकार हो जाता है। जब हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 लागू किया गया तो इस व्यवस्था को धारा 6 के अन्तर्गत काफी हद तक सुरक्षित कर दिया गया। यह कहा जाता है कि इस अधिनियम के प्रभाव में आने के पश्चात जब कोई हिन्दू पुरुष की मृत्यु हुई तो उसकी सम्पत्ति मिताक्षरा उत्तराधिकार नियम के अनुसार उसके वंशजों में बंटेगी न कि इस अधिनियम के हिसाब से।
- ❖ हालांकि इसमें बालिकाओं के हितों की रक्षा हेतु एक प्रावधान जोड़ा गया। इसमें कहा गया कि यदि मृत व्यक्ति के पीछे उसकी महिला रिश्तेदार जैसे पुत्री, विधवा स्त्री, या मां या पुरुष संबंधी है तो उसकी सम्पत्ति इनमें इच्छानुसार या उत्तराधिकार की इच्छा के बिना बंटेगी न कि उत्तरजीविता के आधार। इसका तात्पर्य यह हुआ कि संहिता कानूनों में भी महिलाओं के खिलाफ परम्परागत भेदभाव से निपटने के लिए कुछ नहीं किया गया।
- ❖ हालांकि कुछ अलग उपनिवेशवादी कानूनों के जरिए उत्तराधिकार के कुछ अधिकार पुत्रियों (हिन्दू कानून के सम्पत्ति उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 1929) विधवाओं (जिसकी पति की सम्पत्ति पाने के अधिकार को हिन्दू महिला सम्पत्ति अधिकार अधिनियम 1937 में वर्णित पुत्र के अधिकार के समान कर दिया गया) और उत्तराधिकार से वंचित महिलाओं के लिए सुरक्षित कर दिए गए। इन कारकों को हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 के द्वारा उन्मूलित कर दिया गया।

गुप्त एवं गुप्तोतर काल

1. गुप्त वंश के पतन से लेकर आरंभिक सातवीं शताब्दी में हर्षवर्धन के उत्थान तक उत्तर भारत में निम्नलिखित में से किन राज्यों का शासन था?

1. मगध के गुप्त 2. मालवा के परमार
3. थानेसर के पुष्यभूति 3. कन्नौज के मौखरि
5. देवगिरि के यादव 6. वल्लभी के मैत्रक

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) 1, 2 और 5 (b) 1, 3, 4 और 6
(c) 2, 3 और 4 (d) 5 और 6

उत्तर: (b), छठी शताब्दी में हूणों ने मालवा, गुजरात, पंजाब और गंधार पर अधिकार कर लिया। हूणों के आक्रमणों की वजह से देश में गुप्त साम्राज्य की पकड़ ढीली होने लगी। फलस्वरूप पूरे उत्तर भारत में स्वतंत्र शासक उभरे जैसे मालवा में यशोवर्मन, उत्तर प्रदेश में मौखरि, सौराष्ट्र में मैत्रक और कई बंगाल में शासक उभरे। इस प्रकार गुप्त साम्राज्य मगध तक ही सिमट कर रह गया। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद उत्तरी भारत कई अन्य शासकों द्वारा लूटा गया।

भारत का इतिहास और राष्ट्रीय आंदोलन

प्राचीन भारत

सिंधु घाटी सभ्यता

1. निम्न में से कौन-सा एक हड़प्पा स्थल नहीं है?

(a) चन्हुदड़ो (b) कोट दीजी
(c) सोहगौरा (d) देसलपुर

(IAS 2019)

2. निम्नलिखित में से कौन-सा/से लक्षण सिन्धु सभ्यता के लोगों का सही चित्रण करता है/करते हैं?

1. उनके विशाल महल और मन्दिर होते थे।
2. वे देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थे।
3. वे युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों का प्रयोग करते थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही कथन/कथनों को चुनिए-

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 1, 2 और 3
(d) उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है

(IAS 2013)

3. सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह प्रमुखत: लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था।
2. उस काल में भारत में कपास से वस्त्र बनाए जाते थे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

(IAS 2011)

4. सूची I (प्राचीन स्थल) को सूची II (पुरातात्विक खोज) के साथ मिलान करें और सूचियों के नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

सूची I (प्राचीन स्थल)

(a) लोथल (b) कालीबंगन
(c) धौलावीरा (d) बनवाली

सूची II (पुरातात्विक खोज)

1. जूता हुआ खेत 2. बंदरगाह
3. पक्की मिट्टी के बने हुए हल की प्रतिकृति
4. हड़प्पा लिपि के बड़े आकार के दस चिन्ह वाला एक शिलालेख

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	1	2	4	3
(d)	2	1	3	4

(IAS 2002)

5. निम्नलिखित पशुओं में से किस एक हड़प्पा संस्कृति में मुहरों और टेराकोटा कलाकृतियों में निरूपण नहीं हुआ था?

(a) गाय (b) हाथी
(c) गैंडा (d) टाइगर

(IAS 2001)

6. भारत में निम्नलिखित के आने का सही कालानुक्रम क्या है?

1. सोने के सिक्के
2. आहत मुद्रा चांदी के सिक्के
3. लोहे का हल
4. नगर-संस्कृति

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

कूट:

(a)	3	4	1	2
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

(IAS 1998)

7. भारत में चांदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं-

(a) हड़प्पा संस्कृति में
(b) पश्चिमी भारत की ताम्रपाषाण संस्कृति में
(c) वैदिक संहिताओं में
(d) चांदी के आहत सिक्कों में

(IAS 1994)

वैदिक काल

1. ऋग्वेद-कालीन आर्यों और सिन्धु घाटी के लोगों की संस्कृति के बीच अंतर के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. ऋग्वेद-कालीन आर्य कवच और शिरस्त्राण (हेलमेट) का उपयोग करते थे, जबकि सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों में इनके उपयोग का कोई साक्ष्य नहीं मिलता।
2. ऋग्वेद-कालीन आर्यों को स्वर्ण, चांदी और ताम्र का ज्ञान था, जबकि सिन्धु घाटी के लोगों को केवल ताम्र और लौह का ज्ञान था।
3. ऋग्वेद-कालीन आर्यों ने घोड़े को पालतू बना लिया था, जबकि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि सिन्धु घाटी के लोग इस पशु को जानते थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

(IAS 2017)

2. भारत के सम्प्रतीक के नीचे उत्कीर्ण भारत की राष्ट्रीय आदर्शोक्ति 'सत्यमेव जयते' कहाँ से ली गई है?
(a) कठ उपनिषद्
(b) छांदोग्य उपनिषद्
(c) ऐतरेय उपनिषद्
(d) मुंडक उपनिषद्
(IAS 2014)

3. पूर्व-वैदिक आर्यों का प्रमुख धर्म था-
(a) भक्ति (Bhakti) (b) मूर्तिपूजा और यज्ञ
(c) प्रकृति पूजा और यज्ञ (d) प्रकृति पूजा और भक्ति
(IAS 2012)

4. प्राचीन भारत में देश की अर्थव्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 'श्रेणी' संगठन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
1. प्रत्येक 'श्रेणी' राज्य की एक केन्द्रीय प्राधिकरण के साथ पंजीकृत होती थी और प्रशासनिक स्तर पर राजा उनका प्रमुख होता था।
2. 'श्रेणी' ही वेतन, काम करने के नियमों, मानकों और कीमतों को सुनिश्चित करती थी।
3. 'श्रेणी' का अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार होता था।
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3
(IAS 2012)

5. ''धर्म'' तथा ''ऋत'' भारत की प्राचीन वैदिक सभ्यता के एक केंद्रीय विचार को चित्रित करते हैं। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. धर्म व्यक्ति के दायित्वों एवं स्वयं तथा दूसरों के प्रति व्यक्तिगत कर्त्तव्यों की संकल्पना थी।
2. ऋत मूलभूत नैतिक विधान था, जो सृष्टि और उसमें अंतर्निहित सारे तत्वों के क्रियाकलापों को संचालित करता था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2
(IAS 2011)

6. निम्नलिखित चार वेदों में से किस एक में जादुई माया और वशीकरण का वर्णन है?
(a) ऋग्वेद (b) यजुर-वेद
(c) अथर्ववेद (d) सामवेद
(IAS 2004)

7. 'आर्य' शब्द इंगित करता है-
(a) नृजाति समूह को (b) यायावरी जन को
(c) भाषा समूह को (d) श्रेष्ठ वंश को
(IAS 1999)

8. अध्यात्म ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम का संवाद किस उपनिषद में प्राप्त होता है?
(a) वृहदारण्यक उपनिषद में (b) छांदोग्य उपनिषद में
(c) कठोपनिषद में (d) केन उपनिषद में
(IAS 1997)

9. आरंभिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है-
(a) सिंधु (b) शुतुद्री
(c) सरस्वती (d) गंगा
(IAS 1996)

10. प्राचीन भारतीय समाज के प्रसंग में, निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द शेष तीन के वर्ग का नहीं है?
(a) कुल (b) वंश
(c) कोष (d) गोत्र
(IAS 1996)

11. निम्नलिखित में कौन-सी वह ब्रह्मावादिनी थी जिसने कुछ वेद मंत्रों की रचना की थी?
(a) लोपामुद्रा (b) गार्गी
(c) लीलावती (d) सावित्री
(IAS 1995)

12. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रथा-चतुष्टय वेदोत्तर काल में प्रचलित हुई?
(a) धर्म - अर्थ - काम - मोक्ष
(b) ब्राह्मण - क्षत्रिय - वैश्य - शूद्र
(c) ब्रह्मचर्य - गृहस्थाश्रम - वानप्रस्थ - संन्यास
(d) इंद्र - सूर्य - रुद्र - मरुत
(IAS 1994)

13. ऋग्वैदिक काल में निष्क शब्द का प्रयोग एक आभूषण के लिए होता था किंतु परवर्ती काल में उसका प्रयोग इस अर्थ में हुआ-
(a) शस्त्र (b) कृषि औजार
(c) लिपि (d) सिक्का
(IAS 1993)

जैन धर्म

1. भारत की धार्मिक प्रथाओं के संदर्भ में ''स्थानकवासी'' सम्प्रदाय का संबंध किससे है?
(a) बौद्ध धर्म (b) जैन मत
(c) वैष्णव मत (d) शैव मत
(IAS 2018)

2. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन जैन सिद्धान्त के अनुरूप है/हैं?
1. कर्म को विनष्ट करने का सुनिश्चित मार्ग तपश्चर्या है।
2. प्रत्येक वस्तु में, चाहे वह सूक्ष्मतम कण हो, आत्मा होती है।
3. कर्म आत्मा का विनाशक है और अवश्य इसका अन्त करना चाहिए।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3
(IAS 2013)

3. जैन दर्शन के अनुसार सृष्टि की रचना एवं पालन-पोषण
(a) सार्वभौमिक विधान से हुआ है
(b) सार्वभौमिक सत्य से हुआ है
(c) सार्वभौमिक आस्था से हुआ है
(d) सार्वभौमिक आत्मा से हुआ है
(IAS 2011)

4. महान धार्मिक घटना, महामस्तकाभिषेक निम्नलिखित में से किससे सम्बंधित है और किसके लिये की जाती है?

आर्थिक एवं सामाजिक विकास

परिचय एवं अवधारणा

1. 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद की भारतीय अर्थव्यवस्था के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. शहरी क्षेत्रों में श्रमिक की उत्पादकता (2004-05 की कीमतों पर प्रति श्रमिक वृद्धि में वृद्धि हुई जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में इसमें कमी हुई।
2. कार्यबल में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिशत हिस्सेदारी में सतत् वृद्धि हुई।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में, गैर-कृषि अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई।
4. ग्रामीण रोजगार की वृद्धि दर में कमी आई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3 और 4
(c) केवल 3 (d) केवल 1, 2 और 4

(IAS 2020)

2. यदि निकट भविष्य में दूसरा वैश्विक वित्तीय संकट होता है, तो निम्नलिखित में से कौन-से कार्य/नीतियां, भारत को, सबसे अधिक संभावना के साथ, कुछ उन्मुक्ति प्रदान कर सकती है/हैं?

1. अल्पकालीन विदेशी ऋणों पर निर्भर न रहना
2. कुछ और विदेशी बैंकों को प्रारंभ करना
3. पूंजी खाते में पूर्ण परिवर्तनीयता को बनाए रखना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

3. निम्नलिखित में से कौन-सा/ से भारत में 1991 में आर्थिक नीतियों के उदारीकरण के बाद घटित हुआ/हुए है/हैं?

1. GDP में कृषि का अंश बृहत रूप से बढ़ गया।
2. विश्व व्यापार में भारत के निर्यात का अंश बढ़ गया।
3. FDI का अंतर्वाह (इनफ्लो) बढ़ गया।
4. भारत का विदेशी विनिमय भण्डार बृहत् रूप से बढ़ गया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

(IAS 2017)

4. भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पिछले दशक में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि-दर लगातार बढ़ती रही है।
2. पिछले दशक में बाज़ार कीमतों पर (रुपयों में) सकल घरेलू उत्पाद लगातार बढ़ता रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

(IAS 2015)

5. ''बंद अर्थव्यवस्था'' वह अर्थव्यवस्था है जिसमें

(a) मुद्रा पूर्ति पूर्णत: नियंत्रित होती है
(b) घाटे की वित्त व्यवस्था होती है
(c) केवल निर्यात होता है
(d) न तो निर्यात, न ही आयात होता है

(IAS 2011)

6. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विगत पांच वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सतत रूप से बढ़ी है।
2. विगत पांच वर्षों में प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर सतत रूप से बढ़ी है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/ कौन-से कथन सही है/ हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

(IAS 2011)

7. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

पद	**सर्वोपयुक्त विवरण**
1. मेल्ट डाउन.....	स्टॉक की कीमतों की गिरावट
2. मंदी(रिसेसन).....	सम्विर्धि दर की गिरावट
3.स्लो- डाउन.....	सकल घरेलू उत्पादमें गिरावट

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी सही ढंग से मेल खाती है / हैं?

उपर्युक्त में से कौन सा/से सही सुमेलित है/हैं

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

(IAS 201)

8. स्वतंत्र भारत की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सी एक सर्वप्रथम घटित होने वाली घटना थी?

(a) बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण
(b) भारतीय स्टेट बैंक का राष्ट्रीयकरण
(c) बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट का अधिनियम
(d) पहली पंचवर्षीय योजना लागू करना

(IAS 2010)

9. भारत में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत हुई-

(a) औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति में वास्तविक बदलाव के साथ
(b) भारतीय रुपये में परिवर्तनशीलता के साथ
(c) प्रत्यक्ष विदेशी पूँजी निवेश में कार्यविधिक औपचारिकताएं दूर करने के साथ
(d) कर दरों में महत्वपूर्ण कटौती के साथ

(IAS 2000)

10. पूर्तिपक्ष अर्थशास्त्र अधिक जोर देता है-
(a) उत्पादक के दृष्टिकोण पर
(b) विश्व अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण पर
(c) उपभोक्ता के दृष्टिकोण पर
(d) बिचोलिया के दृष्टिकोण पर

(IAS 1998)

आर्थिक विकास

1. निरपेक्ष तथा प्रति व्यक्ति वास्तविक GNP की वृद्धि आर्थिक विकास की ऊंची दर का संकेत नहीं करतीं, यदि
(a) औद्योगिक उत्पादन कृषि उत्पादन के साथ-साथ बढ़ने में विफल रह जाता है।
(b) कृषि उत्पादन औद्योगिक उत्पादन के साथ-साथ बढ़ने में विफल रह जाता है।
(c) निर्धनता और बेरोजगारी में वृद्धि होती है।
(d) निर्यातों की अपेक्षा आयात तेजी से बढ़ते हैं।

(IAS 2018)

2. उच्च बचत वाली अर्थव्यवस्था होते हुए भी किस कारण पूंजी निर्माण महत्त्वपूर्ण उत्पादन वृद्धि में परिणामित नहीं हो पाता है?
(a) कमजोर प्रशासन तंत्र
(b) निरक्षरता
(c) उच्च जनसंख्या घनत्व
(d) उच्च पूंजी-उत्पाद अनुपात

(IAS 2018)

3. किसी देश की, कर से GDP के अनुपात में कमी क्या सूचित करती है?
1. आर्थिक वृद्धि-दर धीमी होना।
2. राष्ट्रीय आय का कम साम्यिक (एक्विटेबल) वितरण
नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

(IAS 2015)

4. किसी दी गई अवधि के लिए एक देश की राष्ट्रीय आय (National Income)
(a) नागरिकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य के बराबर होगी
(b) कुल उपभोग और निवेश व्यय के योग के बराबर होगी
(c) सभी व्यक्तियों की वैयक्तिक आय के योग के बराबर होगी
(d) उत्पादित अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के बराबर होगी

(IAS 2013)

5. आर्थिक विकास सामान्यतया युग्मित होता है
(a) अवस्फीति (Deflation) के साथ
(b) स्फीति (Inflation) के साथ
(c) स्टैगफ्लेशन (Stagflation) के साथ
(d) अतिस्फीति (Hyperinflation) के साथ

(IAS 2011)

6. 'राष्ट्रीय आय' निरूपित करता है:
(a) बाजार कीमतों पर राष्ट्रीय उत्पाद मूल्यह्रास घटाकर।
(b) बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद मूल्यह्रास घटाकर, विदेश से प्राप्त निवल कारक आय जोड़कर।
(c) बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद, मूल्यह्रास और अप्रत्यक्ष करो को घटाकर सब्सिडी जोड़कर।
(d) बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद, विदेश से प्राप्त निवल कारक आय घटाकर।

(IAS 2001)

7. वर्त्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर स्थिर मूल्यों पर प्रतिव्यक्ति आय से वृद्धि दर से अपेक्षाकृत अधिक है, क्योंकि स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर में ध्यान रखा जाता है।
(a) जनसंख्या वृद्धि की दर का
(b) मूल्यस्तर की वृद्धि दर का
(c) मुद्रास्फीति की वृद्धि दर का
(d) वेतन दर में वृद्धि की दर का

(IAS 2000)

8. एक खुली अर्थव्यवस्था में, अर्थव्यवस्था की राष्ट्रीय आय (Y) है: (C, I, G, X, M का क्रमशः अर्थ है उपभोग, निवेश, सरकारी खर्च, कुल निर्यात और कुल आयात)
(a) $Y = C + I + G + X$
(b) $Y = C + I + G - X + M$
(c) $Y = C + I + G + (X - M)$
(d) $Y = C + I - G + X - M$

(IAS 2000)

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
भारत में औद्योगिक विकास, एक सीमा तक, निरुद्ध हुआ है
1. व्यवसाय में पर्याप्त उद्यमिता और नेतृत्व के अभाव में।
2. निवेश हेतु बचत के अभाव में।
3. प्रौद्योगिकी, कौशल और आधारिक संरचना के अभाव में।
4. अपेक्षाकृत विशाल जन सामान्य के बीच सीमित क्रय शक्ति होने के कारण।
उपरोक्त कथनों में से कौन से सही है?
(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 3 और 4
(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 2 और 4

(IAS 1999)

10. भारत में आर्थिक सर्वेक्षण प्रत्येक वर्ष आधिकारिक तौर पर प्रकाशित होता है
(a) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा
(b) योजना आयोग के द्वारा
(c) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा
(d) भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय द्वारा ,

(IAS 1998)

11. एक उपभोक्ता साम्यावस्था में कहा जाएगा, यदि
(a) वह आय के एक निश्चित स्तर पर अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो।
(b) वह आय के एक निश्चित स्तर पर पूरे आराम से रहने में सक्षम हो।
(c) वह कुछ वस्तुओं के उपभोग के बिना अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता हो।
(d) वह आय के नए स्रोतों को पाने में सक्षम हो।

(IAS 1998)

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

1. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित में से किस/किन पद्धतियों को पारितंत्र-अनुकूली कृषि माना जाता है?

1. फसल विविधरूपण
2. शिंब आधिक्य
3. टेंसियोमीटर का प्रयोग
4. ऊर्ध्वाधर कृषि

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 3
(c) केवल 4 (d) 1, 2, 3 और 4

(IAS 2020)

2. ग्रामीण सड़क निर्माण में, पर्यावरणीय दीर्घोपयोगिता को सुनिश्चित करने अथवा कार्बन पदचिह्न को घटाने के लिए निम्नलिखित में से किसके प्रयोग को अधिक प्राथमिकता दी जाती है?

1. ताम्र स्लैग
2. शीत मिश्रित ऐस्फाल्ट प्रौद्योगिकी
3. जीयोटेक्सटाइल्स
4. उष्ण मिश्रित ऐस्फाल्ट प्रौद्योगिकी
4. पोर्टलैंड सीमेंट

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 4 और 5 (d) केवल 1 और 5

(IAS 2020)

3. निम्नलिखित में से किसके संदर्भ में, 'ताप-अपघटन और प्लाज्मा गैसीकरण' शब्दों का उल्लेख किया गया है?

(a) दुर्लभ (रेअर) भू-तत्वों का निष्कर्षण
(b) प्राकृतिक गैस निष्कर्षण प्रौद्योगिकी
(c) हाइड्रोजन ईंधन-आधारित ऑटोमोबाइल
(d) अपशिष्ट-से-ऊर्जा प्रौद्योगिकी

(IAS 2019)

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विधि के अनुसार, प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण, राष्ट्रीय तथा राज्य, दोनों स्तरों पर होते हैं।
2. प्रतिपूरक वनीकरण निधि अधिनियम, 2016 के अधीन चलाए गए प्रतिपूरक वनीकरण कार्यक्रमों में लोगों की सहभागिता अनिवार्य (मैंडेटरि) है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

(IAS 2019)

5. निम्नलिखित में से कौन-सा/से नदी तल में बहुत अधिक बालू खनन का/के संभावित परिणाम हो सकता है/सकते हैं?

1. नदी की लवणता में कमी
2. भौमजल का प्रदूषण
3. भौम जलस्तर का नीचे चले जाना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

(IAS 2018)

6. कृषि मृदाओं के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मृदा में कार्बनिक पदार्थ का उच्च अंश इसकी जल धारण क्षमता को प्रबल रूप से कम करता है।
2. गंधक चक्र में मृदा की कोई भूमिका नहीं होती है।
3. कुछ समयावधि तक सिंचाई कुछ कृषि भूमियों के लवणीभवन में योगदान कर सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

(IAS 2018)

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विश्व की सर्वाधिक प्रवाल भित्तियां उष्णकटिबंधीय सागर जलों में मिलती हैं।
2. विश्व की एक-तिहाई से अधिक प्रवाल भित्तियां ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपीन्स के राज्य-क्षेत्रों में स्थित हैं।
3. उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों की अपेक्षा, प्रवाल भित्तियां कहीं अधिक संख्या में जन्तु संघों का परपोषण करती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

(IAS 2018)

8. ''छठा व्यापक विलोप/छठा विलोप'' यह शब्द किसकी विवेचना के संदर्भ में समाचारों में प्रायः उल्लिखित होता है?

(a) विश्व के बहुत भागों में कृषि में व्यापक रूप में एकधान्य कृषि प्रथा और बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक कृषि के साथ रसायनों के अविवेकी प्रयोग के परिणामस्वरूप अच्छे देशी पारितंत्र की हानि।
(b) आसन्न भविष्य में पृथ्वी के साथ उल्कापिण्ड की संभावित टक्कर का भय, जैसा कि 65 मिलियन वर्ष पहले हुआ था और जिसके कारण डायनासोर की जातियों समेत अनेक जातियों का व्यापक रूप से विलोप हो गया।
(c) विश्व के अनेक भागों में आनुवंशिकतः रूपांतरित फसलों की व्यापक रूप में खेती और विश्व के दूसरे भागों में उनकी खेती को बढ़ावा देना, जिसके कारण अच्छे देशी फसली पादपों का विलोप हो सकता है और खाद्य जैव-विविधता की हानि हो सकती है।

(d) मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधानों का अतिशोषण, प्राकृतिक आवासों का संविभाजन/नाश, पारितंत्र का विनाश, प्रदूषण और वैश्विक जलवायु परिवर्तन।

(IAS 2018)

9. भारतीय कृषि में परिस्थितियों के संदर्भ में, ''संरक्षण कृषि'' की संकल्पना का महत्त्व बढ़ जाता है। निम्नलिखित में से कौन-कौन से संरक्षण कृषि के अंतर्गत आते हैं?

1. एकधान्य कृषि पद्धतियों का परिहार
2. न्यूनतम जोत को अपनाना
3. बागानी फसलों की खेती का परिहार
4. मृदा धारातल को ढकने के लिए फसल अवशिष्ट का उपयोग
5. स्थानिक एवं कालिक फसल अनुक्रमण/फसल आवर्तनों को अपनाना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) 1, 3 और 4 (b) 2, 3, 4 और 5
(c) 2, 4 और 5 (d) 1, 2, 3 और 5

(IAS 2018)

10. निम्नलिखित में से कौन-सा/से भारत सरकार के 'हरित भारत मिशन (Green India Mission) के उद्देश्य को सर्वोत्तम रूप से वर्णित करता है/करते हैं?

1. पर्यावरणीय लाभों एवं लागतों को केंद्र एवं राज्य के बजट में सम्मिलित करते हुए तद्द्वारा 'हरित लेखाकरण (ग्रीन अकाउंटिंग) को अमल में लाना।
2. कृषि उत्पाद के संवर्धन हेतु द्वितीय हरित क्रांति आरंभ करना जिससे भविष्य में सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो
3. वन आच्छादन की पुनर्प्राप्ति और संवर्धन करना तथा अनुकूलन (अडैप्टेशन) एवं न्यूनीकरण (मिटिगेशन) के संयुक्त उपायों से जलवायु परिवर्तन का प्रत्युत्तर देना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

(IAS 2016)

11. कृषि में नाइट्रोजनी उर्वरकों के अत्यधिक/अनुपयुक्त उपयोग का क्या प्रभाव हो सकता है?

1. नाइट्रोजन यौगिकीकरण सूक्ष्मजीवों (नाइट्रोजन- फिक्सिंग माइक्रोऑर्गनिज़्म्स) का मिट्टी में प्रचुरोभ्दवन (प्रोलिफरेशन) हो सकता है।
2. मिट्टी की अम्लता में बढ़ोत्तरी हो सकती है।
3. भौम जल (ग्राउंडवाटर) में नाइट्रेट का निक्षालन (लीचिंग) हो सकता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

(IAS 2015)

12. निम्नलिखित में से कौन-सा एक, 'पारितंत्र (ईकोसिस्टम)' शब्द का सर्वोत्कृष्ट वर्णन है?

(a) एक-दूसरे से अन्योन्यक्रिया करने वाले जीवों (ऑर्गनिज़्म्स) का एक समुदाय
(b) पृथ्वी का वह भाग जो सजीव जीवों (लिविंग ऑर्गनिज़्म्स) द्वारा आवासित है
(c) जीवों (ऑर्गनिज़्म्स) का समुदाय और साथ ही वह पर्यावरण जिसमें वे रहते हैं
(d) किसी भौगोलिक क्षेत्र के वनस्पतिजात और प्राणिजात

(IAS 2015)

13. भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (IREDA) के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह एक पब्लिक लिमिटेड सरकारी कम्पनी है।
2. यह एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

(IAS 2015)

14. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. चमगादड़ 2. भालू
3. कृन्तक (रोडेन्ट)

उपर्युक्त में से किस प्रकार के जन्तु में शीतनिष्क्रियता की परिघटना का प्रेक्षण किया जा सकता है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 1, 2 और 3
(d) शीतनिष्क्रियता उपर्युक्त में से किसी में भी नहीं प्रेक्षित की जा सकती

(IAS 2014)

15. 'पारिस्थितिक-संवेदी क्षेत्रों' के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. पारिस्थितिक-संवेदी क्षेत्र वे क्षेत्र हैं, जिन्हें वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अधीन घोषित किया गया है।
2. पारिस्थितिक-संवेदी क्षेत्र को घोषित करने का प्रयोजन है, उन क्षेत्रों में केवल कृषि को छोड़कर सभी मानव क्रियाओं पर प्रतिबन्ध लगाना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

(IAS 2014)

16. घासस्थलों में वृक्ष पारिस्थितिक अनुक्रमण के अंश के रूप में किस कारण घासों को प्रतिस्थापित नहीं करते हैं?

(a) कीटों एवं कवकों के कारण
(b) सीमित सूर्य के प्रकाश एवं पोषक तत्वों की कमी के कारण
(c) जल की सीमाओं एवं आग के कारण
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(IAS 2013)

17. परितंत्रों की घटती उत्पादकता के क्रम में उनका निम्नलिखित में से कौन-सा अनुक्रम सही है?

(a) महासागर, झील, घासस्थल, मैंग्रोव
(b) मैंग्रोव, महासागर, घासस्थल, झील
(c) मैंग्रोव, घासस्थल, झील, महासागर
(d) महासागर, मैंग्रोव, झील, घासस्थल

(IAS 2013)